कार्यवाही विवरण

(1) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मुकेश बंसल), पार्ट ऑफ खसरा क्रमांक–30/5, रकबा–3.036 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–1,50,537 टन प्रतिवर्ष, (2) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), पार्ट ऑफ खसरा क्रमांक–30/4 एवं 30/5 भाग, 4.068 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–1,50,672 टन प्रतिवर्ष (3) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), पार्ट ऑफ खसरा क्रमांक–5/2, एवं 5/20, 4.162 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–2,50,647 टन प्रतिवर्ष, ग्राम–छितापंडरिया, क्लस्टर डोलोमाईट, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.) में स्थित कुल 03 डोलोमाईट खदानों (गौण खनिज) के द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **संयुक्त लोक सुनवाई दिनांक 15/05/2023 दिन सोमवार समय 11:00 बजे स्थान–शा.उ.मा.शाला छितापड़रिया, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती में नियत की गई थी। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती द्वारा जारी आदेश क्रमांक 1606 दिनांक 12/05/2023 में किये गये उल्लेखानुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु नियत उक्त संयुक्त लोक सुनवाई को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया था। जिसे पुनः इस परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु संयुक्त लोक सुनवाई दिनांक 30/06/2023 दिन शुक्रवार समय 11:00 बजे स्थान–खेल मैदान छितापड़रिया, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.)** में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार है :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार **(1) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मुकेश बंसल), पार्ट ऑफ खसरा क्रमांक–30/5, रकबा–3.036 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–1,50,537 टन प्रतिवर्ष, (2) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), पार्ट ऑफ खसरा क्रमांक–30/4 एवं 30/5 भाग, 4.068 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–1,50,672 टन प्रतिवर्ष (3) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), पार्ट ऑफ**

खसरा क्रमांक–5/2, एवं 5/20, 4.162 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता–2,50,647 टन प्रतिवर्ष, ग्राम–छितापंडरिया, क्लस्टर डोलोमाईट, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.) में स्थित कुल 03 डोलोमाईट खदानों (गौण खनिज) के द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में संयुक्त लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिपेक्ष्य में **स्थानीय समाचार पत्र नई दुनिया, बिलासपुर में दिनांक 09.06.2023 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द पायोनियर, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 09.06.2023** को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई **दिनांक 30/06/2023 दिन शुक्रवार समय 11:00 बजे स्थान–खेल मैदान छितापड़रिया, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.)** में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जांजगीर–चांपा, कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती, जिला–सक्ती, कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र चांपा, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय, छितापंडरिया, डूमरपारा, डेरागढ़, लवसरा, रायपुरा, तांदुलडीह, लोहरा कोट, खम्हरिया, भोथिया, दर्राभाठा, बस्ती बाराद्वार, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.),** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने **के दिनांक से 15 दिन** के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को कोई भी आवेदन पत्र प्राप्त नहीं हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 30/06/2023 दिन शुक्रवार समय 11:00 बजे स्थान–खेल मैदान छितापड़रिया, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री विरेन्द्र लकड़ा अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्री देवव्रत मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई. आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री बी. डी. पाण्डेय, अल्ट्राटेक एन्वॉयरमेंट कंसल्टेंसी एण्ड लेबोरेटरी, ठाणे के द्वारा **(1)मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मुकेश बंसल), (2) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), (3) मेसर्स गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड, (छितापंडरिया डोलोमाईट क्वारी डायरेक्टर–श्री मनमोहन शर्मा), ग्राम–छितापंडरिया, क्लस्टर डोलोमाईट, तहसील–जैजैपुर, जिला–सक्ती (छ.ग.)** परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी से जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री कन्हैया लाल सिदार, (भूतपूर्व सरपंच) ग्राम–छितापण्डरिया** :– हमारे गांव के सुख–दुख को जानने के लिए आज उपस्थित हुये है। अच्छे ढंग से कार्य शैली का प्रशंसा करते हुए धन्यवाद देना चाहूँगा। आपने महोदय जो बताये है कि गांव में वो सुविधा होना चाहिए। आज हमें विश्वास हो रहा है। वास्तव में विकास दिख रहा है, मेरी आंखों में। आज कई कंपनी हमारे ग्राम छितापंडरिया में आये हुये हैं काम करने की शैली को बताने का प्रयास किया है वो भी सराहनीय रहा। हमारे गांव

छितापंडरिया में बहुत गरीब तत्व के आदिवासी लोग, हरिजन लोग निवास करते है उनकी आशा उम्मीद होती है वास्तव में कोई भी आये हमारे गांव को अच्छा दिशा निर्देश और अच्छी उंचाई तक ले जाये। मुझे दुख होता था कि इतने घने जंगलो में सरपंच मुझे बनाया गया है। विकास के रूप में ले जा सकता हूॅ कि नहीं ऐसे मेरे मन में आता था। मैं सोचा करता था कि हमारे विकास के लिए हमारे गांव छितापंडरिया में आये, और हमको एक अच्छे दिशा निर्देश के उंचाई तक ले जाये। आज हमारा गांव एक बहुत अच्छा दिखने लगा है विकासशील काम के साथ में रोजगार गारंटी के तहत् मैने मिटिंग में भी इस बात को रखा था। हमारा गांव छितापंडरिया बहुत निम्न श्रेणी में गिना जाता है और यहां काफी लोग निवास रहते है। मैं भूतपूर्व सरपंच रहा। मैं विकास करने के लिए असक्षम रहा। पहले किसी प्रकार की विकास करने के लिए पैसों का आवागमन नहीं होता था। किसी प्रकार का विकास का संदेश देने के लिए कुछ नहीं था। लेकिन आज मुझे महसूस हो रहा है कि वास्तव में एक विकाससील देखने को आ रहा है। मैं सबसे पहले बडी बात यह कहना चाहूॅगा कि आज हमारे परम सम्मानीय सरपंच महोदय श्री हेमंत कुमार यादव जी के माध्यम से अच्छा नई दिशा, नई मार्ग लेकर हमारे सरपंच महोदय लगातार तीन पंचवर्षीय योजना में अपना किरदार निभाया। इसी कार्य मे हमेशा मेरे गांव का अच्छा विकास हो ऐसा मुझे लग रहा है। आज गुरूश्री मिनरल्स वास्तव में एक उदार अच्छे व्यक्ति है, एक अच्छे व्यक्ति महान में जाने जाते है। दुख–सुख सभी में मुझे इस बात की खुशी होती है। हमारे गुरूश्री कंपनी के माध्यम से गांव में एक नये–नये योजना के तहत् यहां विकास करने को प्रयास कर रहे है। उन्होंने आज हमारे बच्चों के लिए पढाई, लिखाई, कम्प्यूटर, सिलाई मशीन, सरपंच महोदय अच्छी ढंग से ऑर्गेनाईज कर रहे है। शासन की योजना तो बनी रहती है उसको लाभ देने के लिए लेकिन हमारे गुरूश्री मिनरल्स के द्वारा वास्तव मैं जैसा नाम है वैसे उनका काम है, दिख रहा है। उनका आशीवार्द पहले छितापंडरिया में पहुंच जाता है। ये बडे खुशी की बात है। हमारे परम पूज्य जगेश महराज जी जो मेरे गुरू के रूप में है जो उनको हमेशा मैं आदर रूप से मानता हूॅ। हमारे गांव में छितापंडरिया में प्रेम भाव का व्यवहार रहा है। मैं जिस स्तर से गुजरा हूॅ तकलीफ होती थी। चलने फिरने के रास्ते में तकलीफ होती थी। लेकिन आज छितापंडरिया में एक अच्छा मार्ग मिल रहा है। अच्छी विकास योजना का चलने में सहायक महसूस हो रहा है। मैं सभी से यही निवेदन करूंगा कि मेरी प्रार्थना है हमारे गांव

छितापंडरिया बहुत ही हीरा गांव है। सब लोगों का आशीर्वाद है। हमेशा इसका हमारे गांव छितापंडरिया में प्रेम बना रहे। ऐसा मेरी आशा और विश्वास के साथ गुरूश्री मिनरल्स को अपना समर्थन प्रदान करता हूॅ।

2. **श्री अनंत राम रात्रे, ग्राम पंचायत का उपसरपंच, छितापंडरिया** :– कंपनी द्वारा एम्बुलेंस की सुविधा है गांव पे, बच्चो लोग को पढाई की सुविधा, कम्पयूटर की सुविधा, सुख–दुख में भी पांच हजार कंपनी द्वारा अनुदान की राशि देते है। शादीयों में बेटियों की खासकर 11000 संयंत्र राशि कंपनी द्वारा देता है और अन्य कार्यक्रमों दुख–सुख में कंपनी द्वारा सहयोग मिलता है।

3. **श्री हेमंत कुमार यादव, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं आज की इस जन सुनवाई में विशेष कर अपना पक्ष रखना चाह रहा हूॅ। गुरूश्री मिनरल्स प्रा0 लि0 सम्मानीय जो नानक जी मालिक है। उनके विचार को मैने प्रत्येक्ष रूप से जाना है उनका इस गांव के प्रति बहुत स्नेह, प्रेम है। प्रत्येक व्यक्ति के उपर स्नेह, प्रेम है। हर घर के उपर स्नेह, प्रेम है। आज हम लोग को मजबूती से सपोट कर रहे है। आज तीन माइंस की लोक सुनवाई है यहां, तीनों माइंस का हम पूर्ण रूप से समर्थन करते है और समर्थन करने का कारण भी है। वहां हमारे ग्रामीणो को रोजगार भी मिलेगा और डीएमसे रायलटी ग्राम पंचायत को भी मिलेगा। जनपद पंचायत में भी डीएम का राशि जाता है। प्रत्यक्ष रूप से भी लाभ होता है और अप्रत्यक्ष रूप से भी लाभ होता है। प्रभावित क्षेत्र में भी पैसा का उपयोग होता है। तो मेरा पूर्ण रूप से समर्थन है खदान खुलना चाहिए हमारे गांव में। दो बात और भी गुरूश्री मिनरल्स के पक्ष में बोलना चाह रहा हूॅ। जैसे हमारा गांव ये पिछडा गांव था। आज हमारी ग्राम में एम्बुलेंस की सुविधा 24 घंटा रहती है किसी का भी फोन आया तबियत खराब है। माने उसको तत्काल उसको सुविधा मिलता है। तो ये सुविधा गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा दी जाती है। प्राथमिक शिक्षा के तौर पर बच्चो को कम्पयूटर में भी शिक्षा का व्यवस्था गुरूश्री मिनरल्स के द्वारा दिया गया है बेटियों के लिए, गांव के बहूओ कें लिए यहां ब्यूटीशियन का कोर्स भी यहां गर्मी में चलाया गया है। सिलाई मशीन का काम जो–जो महिला इच्छुक है। सिखाने के लिए बेटियां इच्छुक है, सिखाया जाता है। बेटी के शादी में 11000 कंपनी के द्वारा दी जाती है। मुक्तांजलि योजना के तहत् किसी भी दुखद परिवार को 5000 रूपये भी गुरूश्री मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा दी जाती है। देखते है छट्ठी गरीब

परिवार से आते है। उनको भी छट्ठी कार्यक्रम में 5000 रूपये दी जाती है। आर्थिक रूप से, समाजिक रूप से, समाजिक रूप से सभी कार्यो में कंपनी का सहयोग रहता है। जैसे स्कूल में पोताई का कार्य हुआ उसमें भी सहयोग प्रदान करते है। स्कूल में अच्छा वॉटर मिले बच्चों को उसके लिए मशीन लगाई गई है। इसके लिए कंपनी का हमारे गांव के लिए अमन सहयोग है। इसलिए मैं तहे दिल से कंपनी का सहयोग करता हूॅ। कंपनी की खदान खुलना चाहिए। किसी भी प्रकार का मेरे 1 प्रतिशत कोई विरोध नहीं है।

4. **श्री रामप्रसाद कुर्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– सारा बात ला सरपंच महोदय रख डाले हे, मोला खदान खुले में सहमत हे, कोई आपत्ति नहीं है।

5. **श्री विदेशी चौहान, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमें कोई आपत्ति नहीं है, गुरूश्री एक नंबर चलाथे। कोई दुख के बात नहीं हे। गुरूश्री दुख–सुख के साथ दे थे। लोग लईका का ध्यान देवत हे, हमर कोई शिकायत नहीं हे। खुलना चाहिए।

6. **श्री राजकुमार अजगल्ले, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं यहां का भूतपूर्व वन अध्यक्ष था, और यही का निवासी हूॅ। हमारे गांव में तीनों माइंस गुरूश्री मिनरल्स का खुल रहा है। उसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम उनके समर्थन में है। क्योंकि हमारे गांव के सहयोग में हित में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है हमारा गुरूश्री मिनरल्स, इसलिए हम उनके समर्थन में है।

7. **श्रीमती सुशीला बाई, ग्राम–कोसाबाडी** :– गुरूश्री मेरा मदद करता है। मेरे बच्चे को काम में लगायेगा। खदान उसका बढिया से चलेगा।

8. **श्री सोनामैना, ग्राम–छितापंडरिया** :– गुरूश्री माइंस को कोई आपत्ति नहीं है। हम उसको समर्थन करते है।

9. **श्री रामाधीन खूंर्टे, ग्राम–छितापंडरिया** :– ये तय है कि सुनिश्चित है। हर ग्रामीण के मन में कोई उद्योग गांव या गांव के आसपास खुलता है तो ये आशा रहती है कि हमें भी रोजगार मिले, और इसी आशा और कामना के साथ कंपनी का सहयोग करते है। हर क्षेत्र में सहयोग करते है। आज भी तीनों कंपनियों की ओर से हमारे गांव में जनसुनवाई से पता चला है जानकारी हुई है। खदान खुलेगा, मेरी पूर्ण सहमती है। कुछ सुझाव ये भी है कि मेरा सुझाव है कि संकल्प को पढकर सुनाया

है उसकी हार्डकापी ग्राम पंचायत को नहीं मिला है। उसका प्रकाशन भी नहीं हुआ है। निवेदन है कि वो हार्डकॉपी, प्रति सार्वजनिक ग्राम पंचायत को दी जा सके, और ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराई जा सकें। ताकि हमें और भी जानकारी प्राप्त हो सकें। रोजगार गांव को ही मिलना चाहिए, प्राथमिकता मिलना चाहिए। कंपनी के समर्थन में यही बात बार–बार दोहरा रहे है कि गांव वालो को नौकरी मिले, रोजगार मिले, रोजगार मिलने से ग्राम छितापंडरिया की प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लोगों को रोजागर मुहैया होगा। मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि आपत्ति नहीं है। मेरा सुझाव है कि इस वर्ष मार्च के महीने में भूमिगत जल, वॉटर लेवल नीचे चला गया है और कंपनी से निकला हुआ पानी बेकार जा रहा है, कंपनी की प्रतिनिधी है या मालिक है उनसे मेरा निवेदन है, आग्रह है कि जो पानी बेकार जा रहा है उसे स्टोर करे। ताकि छितापंडरिया का जो वॉटर लेवल है वो बना रहे। ये बहुत गंभीर विषय है। इसे गंभीरता से लेते हुए उनके प्रतिनिधी जो सुन रहे है वो ध्यान देंगे। आशा है विश्वास है पानी का रिर्जव किया जायेगा। ताकि ग्राम छितापंडरिया का वॉटर लेवल न गिरे। दूसरी बात ये है कि उनके संकल्प में ये बात जाहिर नहीं हुई है कि ग्राम पंचायत छितापंडरिया को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराया जायेगा। ग्राम छितापंडरिया के लोगों को प्राथमिक सुविधा, स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराई जाये, डॉक्टर रखा जाये। शिक्षा के क्षेत्र में भी हम निवेदन करते है कि आज हमारे गांव में तो स्कूल तो है शिक्षक नहीं है। उसको भी कंपनी ध्यान देंवे। यहां के शिक्षके स्तर को बढाने के लिए काम करें। यहीं मेरा निवेदन है, आग्रह है, पूर्ण समर्थन है।

10. **श्री शिव प्रसाद रात्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमारे गांव में खदान खुला है बहुत तरह से सुविधा दे रहे है, हमें कोई आपति नहीं है। हर प्रकार के सुविधा दिया जा रहा है। कोई आपत्ति नहीं है।

11. **श्री कार्तिक राम, ग्राम–छितापंडरिया** :– अभी जो जन सुनवाई होवत हे वो बहुत सुंदर हे, बहुत बढिया कंपनी कार्य करत है गांव मा सुविधा उपलब्ध करात हे। मैं चाहत है कि और गांव मा 50–100 आदमी ला आउ काम मिल जाती, माइंस मा मजदूर के रूप मा तो बहुत बढिया होतीस।

12. **श्री प्रकाश कुमार खूंटे, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं बेराजगार था जो कि कंपनी ने मुझे अवसर दिया मुझको जॉब में रखा। बहुत सारे लडको को जॉब में रखा।

धन्यवाद व्यक्त करना चाहूंगा। खदान खुलना चाहिए। अच्छा काम होना चाहिए। कोई आपत्ति नहीं है। खदान खुलना चाहिए।

13. **श्री गनपत गोड़, ग्राम–छितापंडरिया** :–ये तीन ठोक खदान खुलत हे ओखर समर्थन मा हव। खनिज विभाग के जो बोले हे वो कागज के फोटोकापी मैं मांगना चाहत हव। छितापंडरिया में फोटोकापी रहे। समस्या नही आना चाहिए। मैं समर्थन में हव।

14. **श्री संतराम रात्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :–खदान खुलना चाहिए। मोला कोई प्रकार के आपत्ति नहीं हे।

15. **श्री साधराम साण्डेय, ग्राम–छितापंडरिया** :– गुरूश्री मिनरल्स अच्छा प्रकार से काम करत है 3–4 ठोक और खदान खोले। हमला कोई आपत्ति नहीं हे।

16. **श्री श्याम सिंह गोड़, ग्राम–छितापंडरिया** :– माइंस खुलना चाहिए कोई आपत्ति नहीं है।

17. **श्री रविशंकर अजगल्ले, ग्राम–छितापंडरिया** :– आज हमर गांव में गुरूश्री के माइंस खुलने वाला है समर्थन है। गुरूश्री से हमें एक ही निवेदन है कि गांव मो कोई प्रकार के समस्या ला सुलझाये, बिजली, पानी, सड़क के समस्या ला दूर करें। माइंस खुलना चाहिए। बेरोजगार मन ला काम मिलही। सब के स्थिति सुधरही।

18. **श्री विनोद कुमार खुंटे, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं खुद कंपनी में काम करता हूँ। अच्छी बात है, गांव में रोजगार मिलेगा।

19. **श्री नारायण कुर्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– जो गुरूश्री माइंस खुलत हे वोमा मोला कोई आपत्ति नहीं है। माइंस खुलना चाहिए, गांव के आदमी को रोजगार मिलना चाहिए।

20. **श्रीमती बुधवारा, ग्राम–छितापंडरिया** :– गुरूश्री कोई आपत्ति नहीं है। खंगत हे तो सबला पूरोवत हे। छट्ठी मा, बरही मा, बर मा, बिहा मा सब मा देवत हे। पैसा कौडी सब देवत है। कोई आपत्ति नहीं हे। बढिया मन लेके गाडी ला चलावये।

21. **श्री हीरालाल अजगल्ले, ग्राम–छितापंडरिया** :– खदान खुलने में कोई आपत्ति नहीं है। ज्यादा से ज्यादा छितापंडरिया के बेरोजगोर लोगों को रोजगार मिले। यहीं मैं चाहत हव।

22. **श्री हीरालाल रात्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– खदान खुले मे कोई आपत्ति नहीं है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया जाये।

23. **श्रीमती शांतिबाई, ग्राम–छितापंडरिया** :– मोला खदान खुलने में कोई आपत्ति नहीं है।

24. **श्रीमती पूर्णिमा, ग्राम–छितापंडरिया** :– खदान खुले मा मोला कोई आपत्ति नहीं है।

25. **श्री धनराज मुधकर, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमें हमारे गांव में खदान खुलने में कोई आपत्ति नहीं है।

26. **श्री जितेन्द्र कुमार नारंग, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमारे गांव में कंपनी खुलने से कोई आपत्ति नहीं है। हमें यहां रोजगार अच्छे तरीके से मिल रहा है। हम यहां खुश है।

27. **श्री जगदीश, ग्राम–बाराद्वार, डूमरपारा** :– अभी तक गुरूश्री मिनरल्स वाले ने किया है वो गरीबो का हित देखे है। जो जहां जरूवत रहती है जैसे एम्बुलेंस, बच्चो के शिक्षा के लिए कम्प्यूटर, सिलाई मशीन माता बहनो के लिए व्यवस्था किया गया है, वो सर्वोच्च है, पर्यावरण के संबंध में यही बोलूंगा कि हर जगह होता ही है। जहां काम धूल से संबंधित है, मिट्टी से संबंधित है। पर्यावरण में थोडा–मोडा तो धूल उडेगा ही। कुछ लोगों को हो सकता है परेशानी। जन मानस में लोगों का यही कहना है हम लोग का हित का ख्याल गुरूश्री के द्वारा किया जाता है, करते है। दुख–सुख में, शादी–ब्याह में उसमें कंपनी के द्वारा सहयोग किया जाता है कंपनी के द्वारा मैं यही बोलना चाहूँगा कि किसी प्रकार का मुझे कोई आपत्ति नहीं है और किसान होने के नाते मै यही चाहूंगा कि उनका भी यही कहना था कि कि कोई आपत्ति नहीं है, जन समर्थन है कंपनी खुलना चाहिए।

28. **श्री रघुवंदन खूंटे, पंच, ग्राम–छितापंडरिया** :– ये खदान खुले मा हमन ला कोई आपत्ति नहीं हे।

29. **श्रीमती इतवारा बाई, पंच, ग्राम–छितापंडरिया** :–हमें खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं हे।

30. **श्रीमती भानमति दिवाकर पंच, ग्राम–छितापंडरिया** :–हमारे गांव मा खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं हे।

31. **श्री बबलू मिश्रा, ग्राम–बाराद्वार** :– हमारा यही समर्थन है, हमारा फुल समर्थन है। माइंस खुलना चाहिए। बहुत विकास करत हे गुरूश्री। सब लोग के मदद करत हे। खदान खुलना चाहिए। हमारा समर्थन है।

32. **श्री छबि, ग्राम–छितापंडरिया** :– खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं है।

33. **श्री जगदीश प्रसाद गोड़, ग्राम–छितापंडरिया** :– मोला खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं हे। हमर गांव मा बहुत विकास करत हे, पूरी तरह विकास होवत हे।

34. **श्री ललित कुमार चंद्रा, ग्राम–छितापंडरिया** :– गुरूश्री खदान खुले मा कोई दिक्कत नहीं हे।

35. **श्री दौलत खूंटे, ग्राम–छितापंडरिया** :–गुरूश्री द्वारा खदान खोले जाने पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। माइंस में हैवी ब्लास्टिंग होने से घरो में दरार हो रहा है, व नजदीकी में पानी का लेवल नीचे हो रहा है, इसे कंपनी को ध्यान देनी की जरूवत है।

36. **श्री संतोष कुमार यादव, ग्राम–छितापंडरिया** :– गांव मा खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं है मोला।

37. **श्री रमेश कुमार कुर्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– जो खदान खुल रहा है, उसमें मैं सहमति हूॅ।

38. **श्री धनंजय कुमार सोनी, ग्राम–छितापंडरिया** :– जो खदान खुल रहा है उसमें मैं समर्थन हूॅ।

39. **श्री अमर सिंह बनाफर** :– ये माइंस खुलने का है उसका मैं विरोध करने आया हूॅ। जो भी हमारे आसापास घटना होती है वो सभी सीख देती है। सवाल है उसको ग्रहण करने की। आज वही स्थिति हमारे यहां जो खुल रहा है उसकी स्थिति है क्या यहां जो पर्यावरण का नुकसान होगा, वॉटर लेबल डाऊन होगा। जो भी प्रदूषण होगा गांव वाले के लिए नहीं करना होगा। मैं इस बात को अकलसरा में रखा था और आज मैं इस बात को छितापंडरिया में भी रख रहा हूॅ। ये जो बगल का गांव खम्हरिया है वो पूर्ण रूप से समाप्त हो चुका हूॅ। मेरा जन्म स्थान है, खम्हरिया। मैं यह बताना चाहता हूॅ कि मैं खम्हरिया के लिए खम्हर सिंह हूॅ। बाकि के लिए अमर सिंह हूॅ। वहां 01 डिसमिल जमीन नहीं बचीस, सारे जमीन में डीएमसी काबिज है।

वहां के तत्कालीन पंचायत सारे जमीन को दे दिया। आाज वहीं स्थिति इस गांव की होने वाली है। अभी तो सबको मजा आ रहा है। ये पूरा क्षेत्र जंगल से घिरा हुआ था। ये क्षेत्र छितापंडरिया के जंगल के नाम से जाना जाता था। आज सारे हैण्डल बनके उसको काट रहे है गावं को एक भी नहीं बचने वाला है। प्रशासन भी हैण्डिल बना है। गुरूश्री का सामने प्लांट लगा है शाम के देखीये टू व्हीलर में चलकर देखे डस्ट तो अभी डला है पूरा क्षेत्र बर्बाद हो रहा है, सबका फेफडा खराब हो रहा है सब बीमार हो रहे है। खम्हरिया खत्म हो गया छितापंडरिया खत्म होने वाला है। अकलसरा का झाड़ वाला इलाका है, वो भी बचने वाला नहीं है। छत्तीसगढ को पूरा लूट रहे है किसानों का देश रहता था, आज व्यापारियों का देश है। मैं इसका भरपूर विरोध कर रहा हूॅ।

40. **श्री सहसराम कर्ष** :– ये जन सुनवाई मा आये हे। वो मेर खाये पिये के व्यवस्था बढिया कर दिये हे। ये दलाल मन के व्यवस्था है। ये क्षेत्र के भोले भाले जनता ला कुछू बात के जानकारी नहीं हवय। ये पर्यावरण क्या होवते, ये दूषित क्या होते। इस बात के जानकारी नहीं हवय। इमन जानत हवय क्या कुछू, टाईप करा के आवत हे। दस्तक करे बर, तो इमला मुश्किल होवत हे। टाईप करा के आये हे। दलाल मन ज्याद सक्रीय होवत हे वोला ज्यादा फायदा होवत हे। ये क्षेत्र के जनता मन ला धमका के चमका के, ये क्षेत्र में कितना विकास होवत आप मन जान हव। यहां पर कतका विकास होवत हे देखत हे। यहां खेती किसानी करने वाला ला कतका नुकसान हवय। एक्सीडेंट हो जावत हे। कतका मन के जान चले जाथे। लेकिन ये शासन प्रशासन ये ध्यान नहीं देवत हे। क्रेशर खोले से ये क्षेत्र को कोई भला नहीं होने वाला हे। कतका विकास कर डालिन, और कतका विकास करही। छितापंडरिया के सरपंच ला अपन–अपन कब्जा मा करके, ये गांव के एक–एक आदमी ला मिठाई खिला थे, दारू पीला थे, पैसा देवत हे, लालच दे के सबला दस्तखत ला करावत हे। गांव के जनता मन ला कोई आपत्ति नहीं है भाई। तुमन ला काहे बर आपत्ति होवत हे। तोला क्या आपत्ति है भाई तै कहे ला बोलत हस। लगातार सक्रीय है हमर क्षेत्र के भोले–भाले जनता मन इमन ला गुमराह करे के प्रयास करे जावत हे। ये क्रेशर से कौने भला होने वाला नहीं है। मैं शासन से निवेदन करना चाहत हव प्रार्थना करना चाहत हव। प्रदूषण फैलही। जल, जंगल, जमीन ला मिटाये के प्रयास मत किये जाये। खाये बर व्यवस्था सुंदर भला करे हे। ये क्षेत्र के मन ला कोई लाभ नहीं होये, कोई काम नहीं मिले। दस्तखत कराते हे,

हमर विरोध के बावजूद भी। भोले–भाले जनता के आवेदन ला समर्थन में लिखाये होही। तभी हमन कहत हन ये जगह मा खुल नहीं सकय। आज खुले की कल खुलये, हमन पर्यावरण के बचाये के काम करत थन। हमन जनप्रतिनिधि गांव के विकास अपन गांव की ओर ध्यान देना है। हमन ये क्षेत्र से लगाव रखथन। ये पर्यावरण ला आप मन बचाये बर हे। आगे सुरक्षित रखे बर हे। ये खदान खुले है ये गुरू मिनरल वॉटर ला ये जो व्यवस्था है ये जो क्रेशर हे, ये क्षेत्र के जनता मन ला बहुत बडे नुकसान लगातार होवत हे। बडे–बडे गाडी चलही, ये क्षेत्र के जनता मन ला धोखा देके, तुमन के लाभ होही, तुमन के भला होही। तुमन के काम आगे बढही ऐसा करके धोका देवत हे। आप सब से निवेदन है साथीमन जनता के हित मा, पर्यावरण के हित मा रखिहा, अपन बात ला रखिहा। ये खदान नहीं खुलना चाहिए। ये खदान ला अनुमति नहीं मिलना चाहिए। मिल भी जाही तो हमन जन आंदोलन करबो, सब लडाई लडबो। ये क्षेत्र से भाई मन आये हवा आप मन ला कुछू मालूम नहीं हवय, ऐखर से कोई भला नहीं होये, बहुत बडे नुकसान होही। जाये बर रास्ता नहीं मिलही।

41. **श्री राम कुमार चौहान, ग्राम–छितापंडरिया** :– जो चाचाजी बोलिस वो 100 प्रतिशत सही है। यहां खदान खुले मा कोई जनता ला फायदा नहीं हे। गौर करो कि यहां पर कितना जनता है। आया यहां जन सुनवाई में कितना है। क्योंकि यहां खदान खुलने पर 100 प्रतिशत नुकसान है, फायदा नहीं है। रोड को देखिये कितना तकलीफ है। किसी ने बोला यहां पर। यहां की मानसून हवा जनता को नुकसान पहुंचा रहा है किसी ने बोला यहां पर। मैं जानता हूॅ मेरा पांच पीढी का रिकार्ड है। इस गांव का मूल निवासी हूॅ। मेरा रिकार्ड देख लिया जाये। यहां जो आये थे खदान खुलने को राजी थे। वो सब खाने–पीने में बिक गये है। यहां जो खदान खुलने आये है वो सब सरपंचो की चमचा है, उनका दलाल है। कोई भी सत्यवादी नहीं है। इस बात को गौर करे कि मैं गलत बोल रहा हूॅ।

42. **श्री जगेश्वर सिंह राज, ग्राम–सक्ती** :– मैं इस डोलोमाईट खदान के विरोध के बारे में बोलना चाहता हूॅ। हम लोग जल, जंगल, जमीन से जुडे आदमी है। इतने दिनो से शोषण करते हुये आ रहे है। जो वन संपदा है, जो छितापंडरिया के नाम से प्रसिद्व है। वर्षो पुराना हमारा सक्ती, अभी–अभी जिला बना है। जो सक्ती तहसील वन परिक्षेत्र के अंतर्गत् आता है। यहां की जो परंम्परा, रहन–सहन, खान–पान,

विभिन्न रूप से हमारे यहां पर छितापंडरिया जंगल में, आप लोग को मालूम नहीं भालू, चितवा, आदि वनप्राणी यहां पर विचलित करते है। हम लोग यहां की प्राकृतिक संरचना है, उसको बिगाड दिये है। रोड़ सीसी. रोड यहां पर ये जंगल बिलासपुर तक आनदं सिंगल सुपर फॉसफेट, सिरगिट्टी झोपडापारा तक स्थिति ऐसी है। ये हमारे वन संप्रदा से जुडा हुआ क्षेत्र है। यथा स्थिति बनाया जाये इनको जितना खुल चुका है उसको भी समाप्त किया जाये। आप लोग का दायित्व है कि पर्यावरण को कैसा रखा जाये। इससे हमारे जल वायु मंडल पर विपरीत प्रभाव पडेगा। जहां–जहां पर पानी की कमी हो रही है आज हमारे सक्ती जिला में पूरा पानी का संकट है। आज नहर या बांध नहीं होता तो यहां का वॉटर लेवल 300, 500, 800, 900 फीट पर जाने वाला है। हम लोग अभी गर्मी के समय में जून के समय में भुगत चुके है और भुगतने वाले है। यदि बांध नहर नहीं होती तो निश्चित रूप से विपरीत प्रभाव पडता। ये मामला नहीं है कि आप ग्राम सभा ले लिजीए। यहां पर आज हमारा सक्ती जिला खेती किसानी का जिला है। यहां से वॉटर लेवल डूमरपारा–सकरेली से वहां से स्ट्राट होता है, वहां से इधर गिरता है। पानी का स्त्रोत ज्यादा मात्रा में मिलता है। खदान खुल जायेगी, तो आसपास पानी का संकट होगा। यहां 20–25 किलोमीटर तक होने वाली है। मेरा कहना है कि किसी भी प्रकार से आप शासन को रिपोर्ट देंगे, यहां पर जनता का विरोध है विरोध होना चाहिए। क्योंकि ये समान्य क्षेत्र है पर्यावरण ऐसा खुशहाल मौसम है यहां आने पर लगता है कि कोई हम जंगल पहाड में, पर्वत में घुस गये है। यहां का वातावरण शुद्व भले इनकी मंशा है। हम वन मंडलाधिकारी आये होंगे, उनसे भी कहना चाहेंगे। इनको किसी प्रकार से एनओसी ना दिया जाये। ये फॉरेस्ट लेण्ड के अंतर्गत् आता है। आप लोग रिपोर्ट जनता के बीच में रखकर करीये महोदय जी। मेरा यही आग्रह है निवेदन है। ताकि यहां किसी प्रकार से ये जगह को सुरक्षित रखा जाये। आने वाले सक्ती जिले में पर्यावरण का नुकसान मत हो। क्योंकि उपरी हिस्सा में पहाड़, पर्वत है। यहां से शुद्व वातावरण हमारे सक्ती जिले को मिलते रहे। मेरा यही कहना है।

43. **श्री बिरबल साहू, ग्राम–खम्हरिया :–** ग्राम पंचायत खम्हरिया में बिल्कुल भी माइंस नहीं खोला जाये। क्योंकि यहां जो स्थिति है वो बहुत गंभीर है। ये लोग छोटे–छोटे वादे करके एक रोड व्यवस्था नहीं बनवा सकते। यहां शिक्षा की व्यवस्था कुछ भी नहीं कर रहे है। मैं पता किया हूॅ यहां दो ही शिक्षक है यहां प्राथमिक शाला में एक

शिक्षक की कमी है। अगर ये माइंस खुलवाना चाहते। तो वहां पर एक शिक्षक व्यवस्थित ढंग से रख सकते थे। लेकिन किसी प्रकार की कोई व्यवस्था यहां पर नहीं है। यहां का जो पर्यावरण से संबंधित है। मैं बोलना चाहूंगा शर्म के साथ यहां पर किसी प्रकार का भम्रण नहीं किया जाता है। आज तक यहां पर यहां क्षेत्र में बडे–बडे पौधो की अलग बात है कि चरोटा का पेड भी नहीं बनाये है। किस आधार पर पर्यावरण सुनवाई की जा रही है, ये व्यवस्था सर्वनीय है। घोर निंदा करता हूॅ, और घोर आपत्ति करता हूॅ। तत्काल यहां से जन सुनवाई को बंद किया जाये।

44. श्री केदार :– मैं इस मंच पर विरोध के समर्थन करने के लिए उपस्थित नहीं हुआ हूॅ, हुंकार भरने के लिए उपस्थित हुआ हूॅ, ये मेरी हुंकार है। मैं थोडा सा अतीत को ओर जाना चाहूंगा। हमारा चरित्र पन समाजिक कार्यक्रता के रूप में प्रारंभ हुआ है। कदम से कदम चलने वाले है। हमने गैर राजनीतिक संगठन निर्माण करके उस प्लांट का विरोध कर हमने क्षेत्र में एक–एक गांव में बैठक लेके, गांव के लोगों को जागरूक करके प्लांट की प्रदूषणता व उसमें पनपने वाले गुंडागर्दी था इसके लिए बडी लंबी लडाई लडी है। जहां हम विकास की बात करते है, वहां विनाश की बात भी करते है। ये छितापंडरिया का शुद्व वातावरण प्रदान करने वाला जंगल, पूरे सक्ती जिले में जांजगीर–चांपा, बिलासपुर जिले में हम थे तब से ही काफी सुखद वातावरण से हमको अपने आंचल में छिपाने वाला ये छितापंडरिया का जंगल आज न जाने कैसे–कैसे लोगों पर पढा है, जो हम सबको खा जायेगा। मैं देख रहा हूॅ आज स्थानीय स्तर पर कितने लोग है। या तो फिर सीधा–सीधा वाला मैनेजिंग वाला मामला है। इस प्रकार से आप लोग औपचारिकता निभाते है। अपने समर्थन जुटाने में पूरे कामयाब हो जाते है। आप दोहन ऐसा करे जिसमें विनाश न हो। मनुष्यता भी जिंदा रहे, प्रकृति भी जिंदा रहे। हम सबको प्रकृति पर रहना है। प्रकृति भी नहीं रहेगी भूमि भी नहीं रहेगी। बहुत सारे प्लांटो के खिलाफ लडा है। प्लांटो के खिलाफ अपनी जिहाद को जीता भी है। मैं निवेदन नहीं कर रहा हूॅ मेरा हुंकार है। प्लांट वाले को बोलकर डस्ट डलवा दिये। इसके पहले आपने कभी गांव वालो के लिए ध्यान दिया। आपने सोचा इस गांव की क्या दुरगता है। गांव के लोग कैसे जीते है पानी मिलता है कि नहीं मिलता। उनको यहां से बाराद्वार जाने में क्या कठिनाई है। जरा इन बातों पर गौर फरमाये। विकास के लिए हमको कहीं न कहीं कुर्बानियां देने पडती है। बाराद्वार में इतनी सारी ऐक्सीडेंट होती है, इतनी सारी दुर्घटनायें होती है। कितने लोगों की जाने जा रही है। वहां धूल के कारण इतना

जाम लगता है गाड़ियों का कौन है जिम्मेदार, क्रेशर वालो को कमाई से मतलब है। उसको आम जनता से कोई मतलब नहीं। सड़क चलने वालो राहगिरो से कोई मतलब नहीं है। धूल के गुब्बारे उड रही है, कितने लोगों की जाने जा रही है। कितने ऐक्सीडेंट हो रहा है, कितने लोग मारे जा रहे है। वैसे इस गांव की व्यवस्था न बनाये। इस गांव की हालात को ऐसा न बनाये। ये मेरा हुंकार है निवेदन कतई नहीं करना चाहता। पुनः हुंकार भरते हुये, इतना सुंदरतम धरती को आप विपरीत न ले आम लोगों की आह न लें। गांव वालो को लगता है दो पैसा मिले, लेकिन उनको भी दुर्भर जीवन जीना पडेगा। हुंकार भरने के लिए उपस्थित हुआ हूँ।

45. **जन समुदाय में से किसी व्यक्ति ने कहा** :– ये गांव से संबंध हमर परिवारिक संबंध हे। छितापंडरिया मोर दादी के गांव है। आज से नहीं मैं बचपन से ये गांव मा आवत हव। ऐखर आपत्ति करे बर हमन आये हन। जल, जंगल, जमीन के नाम से जाने जाथे। छितापंडरिया वास्तव में डोलोमाईट के नाम से लगातर इस क्षेत्र में शोषण होवत हे, हमन देखत हन, गांव के विकास तो दूर, क्षेत्र के विकास तो दूर, क्षेत्र के जनता बर भी नहीं हो पावत हे। ऐखर बर हमन सबला चिंता है। हमर पूर्वज में ऐखर लगातार विरोध करीस। आप मन खोले के प्रयास करे हव। वास्तव में निंदनी है। हमन ला स्वास्थ, शिक्षा, अन्य सुविधा मिलना चाहिए वो नहीं मिलत हवय। ये बात के चिंता है। जल, जंगल, जमीन के सुरक्षा बने हे, रोजी रोजगार मिले, हमन ला भी चिंता है। यहां के के जन जीवन प्रभावित हो जायही। हमन सब ला परिणाम भुगतने ला पडही। हमन ला चिंता भी है ये क्षेत्र के सक्ती भी जिला बने हे। जल, जीवन, जमीन जहां जीव जन्तु प्राणी पाये जाथे। जन सुनवाई होवत हे। पहली तो सुविधा हो। नाली के निर्माण हो, स्वास्थ के निर्माण हो, शिक्षा के सुविधा हो लेकिन आज तक यहां पक्की–पक्की सडक नहीं बन पाये हे। ये गंभीर वाला है ये चिंता करने वाला है। आज हमन जन सुनवाई के घोर विरोध करथन। आपत्ति दर्ज करत हन। ये क्षेत्र रोजी में, रोजी–रोजगार हमर भाई मन ला मिलना चाहिए। वो नहीं मिलत हे। ये क्षेत्र में शोषण होवत हे। मजदूरी करने वाले के फोन आथे ओखर भी समस्या के निदान करथन। हमन आपत्ति दर्ज है ये जन सुनवाई समाप्त करो। जनता के हित बर आप निर्णय लो। जन जीवन प्रभावित होईही। मानव जीवन ला बहुत पीढा के सामना करना पढही। हमन लगातार जल जंगल जमीन बिक जाही। हमन शोषण करने वाला ला भगाथन। हमन ला ज्ञान मिलना चाहिए, हमन ला अधिकार मिलना चाहिए। हमन ला अधिकार और न्याय नहीं मिलत

हे। जल, जंगल, जमीन बिक जाही तो हमर रहने वाला जीव प्राणी के क्या हाल होनी चाहिए कि यहां गेंदा के फूल नहीं लगत हे, गुलाब के फुल नहीं लगत हे। यहां सब्जी उत्पादन नहीं हो पावत हे। सोचे के विषय है, प्रदूषण हमर जीवन ला प्रभावित करना पडही। हमन ला काफी नुकसान होवत रहीस। लाखो करोड़ो रूपये हॉस्पिटल में नुकसान होवत हे। ये बात के चिंता करे के आवश्यकता हे। जन सुनवाई ला बंद किया जाये। जनता के हित मा जो आपत्ति करे के बात आये है। यही पर समाप्त किया जाये। ये जनसुनवाई समाप्त किया जाये।

46. **श्री रामप्रसाद कुर्रे, ग्राम–छितापंडरिया** :– ये जो भाई बोलत हे ये बिल्कुल गलत बोलत हे। आज तक झांके तक नहीं आये हे, छितापंडरिया मा। आज आ के विरोध करत हे। हमला क्या करे हे, क्या नहीं करे हे, ये गांव वाला जानही। हमला खदान खुले हमला समर्थन है।

47. **श्री उमेश कुमार लहरे, ग्राम–बस्ती बाराद्वार** :– ये जो खदान खुल रहा है उसके लिए बोलने आया हूँ।

48. **श्री रत्न पटेल, ग्राम–टेमर :–** डोलोमाईट के खोलने के जो आयोजन रखे हुये है। ओखर हम खुल के विरोध करत हन। अभी छितापंडरिया के भाई बोलिस हे कि हमन ला समर्थन हे। डोलोमाईट खोले के आप मन समर्थन करत हव। ओखर बाद हमन गावं के समर्थन करिहा। डोलोमाईट खुले के है आप मन ला प्रलोभन देना चाहिए। आप मन जो घर में रहत हन ओला छोडना पडही, ये जमीन ला जो आप खेती करत हन वोला भी छोडना पडही। ऐखर पहले आप अपने जमीन ला देख अपन घर ला देखा। ये चोचला करत हे कि आप मन ला नौकरी देबो। ये जो डोलोमाईट का कार्यक्रम है वोला आप मन समापन करा। गांव के रहईया है हमन खेती किसानी करने वाला हन। आप माइंस चलाकर आप हमारे गांव के भोले–भाले गांव के आदमियों को न ठगहा। माइंस ला उखाड के फेंका। क्योंकि कई जगह से देखे गये है जहां–जहां डोलोमाईट कंपनी रखे गये हे। वो जगह में वो 4 साल, 5 साल रहीथे। न तो डोलोमाईट वाले उनमन ला खेती करने देथे। न तो घर में रहन दे, सामने रईही तो राखड़ डालही। कचड़ा डालही, गंदा पानी डालही। जेला मजबूरी मा छोडना पडही हमन ला। ऐखर बिल्कुल विरोध करा, समर्थन नहीं करा। जो बच्चा मन ला आप मन शिक्षा देना चाहत हव। कुछ दिन के लिए आप मन ला समर्थन है। ओखर कोई लाभ आप मन के परिवार ला लाभ नहीं मिलही। सिर्फ

दलाली करत है ओला मिलही। गांव के माता बहनी मन ला आप मन ध्यान देहा। ऐखर विरोध करा और ऐला भगाओ, फैसला करके।

49. **श्री रवि, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमारे आसपास में जितने भी माइंस है, माइंस में हमारा जितना भी लोकल आदमी काम कर रहा है। तो बहुत सुंदर बात है। सरकार एक रूपये में चांवल दे रहा है। गौण खनिज का पैसा गांव में विकास कर रहा है और चांवल का पैसा दे रहा है और हम चाहेंगे और माइंस खुले, हमारे बच्चे लोग को काम में रखे। जैसा–जैसा है उसको काम में रखे और माइंस खुले और अपना माइंस को सुचारू रूप से चलाये।

50. **श्री डॉ. टीकाराम कुर्रे, ग्राम–सक्ती** :– पर्यावरण ही नहीं रहेगा तो आक्सीजन कहां से मिलेगा तो सांस कहां से लोगे। ये जो डोलोमाईट का खदान खुला है उससे पर्यावरण को बहुत हानि हो रहा है। तो हम ये चाहते है जो डोलोमाईट खदान खुला है, बंद हो और आक्सीजन का ज्यादा पूर्ति हो। बंद करो, विरोध करते हुये बंद करो, बंद करो।

51. **श्री लहरे** :– एक पेड हा एक दिन मा कितना आक्सीजन देथे। ऐखर जवाब भी मैं खुद देवत हव। एक पेड हा एक दिन मा 230 लीटर आक्सीजन देत हे। पूरा साल लगभग 23 लाख रूपया के आक्सीजन देथे। आप आपन जीवन मा कितना ठोक पेड लगाये हवा, जो डोलोमाईट खोलत हव। मैं उस बात के सम्मान करे आये हव। मैं ये नहीं बोलत हव की आप जो बोलत हव वो गलत है। कहीं न कहीं हमला रोजगार के आवश्यकता हे। रोजगार मिलना भी चाहिए। क्योंकि जनसंख्या भी बढ गये है और उत्पादन में भी कमी है। हमर लईका मन भूख से मरत हे। हमला रोजगार तो चाहिए, लेकिन रोजगार के विभिन्न माध्यम है। ये नही ंसाल भर मा 23 लाख रूपये का आक्सीजन देव हे पेड ला काट के खदान खोल ले। एक बात ला अवगत कराना चाहत हव। लोभ, लालच मा लईका मन के नौकरी लगाही। ये बडे–बडे सेठ पैसा वाला मन के खदान हे। एक बार पेड कटथे तो लगे मा पेड हा 8 से 10 साल लगथे। प्लांट खुलत हे ओमा विस्फोट होही। ऐ कई तरह के तरंग निकलही जेमा आप मन के शरीर ला डिफेक्ट करही। विस्फोट करे के जो बढिया–बढिया घर बनाये हव, जीवन भर के संपत्ति लगा कर जो घर बना था। एक विस्फोट मा आप मन के घर हा चरक जाही। अपन हक ला बचा के रखा,

बहुत सारा माध्यम है रोजगार के। सक्ती जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं आम जनता के नाते मैं ये खदान खुले के विरोध करत हव।

52. **श्रीसाधराम, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं सर्व सम्मत् से गुरूश्री का समर्थन करता हूॅ। है। आज तक हमारे गांव में को विधायक आकर कोई काम नहीं किया है। 5 साल हो गये। छितापंडरिया से खम्हरिया की ओर रोड़ जाने के लिए उसको बारम्बार सूचना दिये है। लेकिन आज तक नहीं किया। हम उसके लिए विरोध है। निर्मल सिन्हा जी को भी कई बार अवगत कराये है। उन लोग आज तक हम लोग को नहीं समझा है। लेकिन गुरूश्री मिनरल्स है जो हमारे गांव को सही ढंग से कार्य कर रहे है। हम उनको पूर्ण सहमति प्रदान करते है।

53. **श्री प्रदूमन लहरे, ग्राम–बस्ती बाराद्वार, बहुजन समाज पार्टी सक्ती** :–इस जन सुनवाई का विरोध करता हॅ। इस रोड में गिट्टी बिछाया गया है चांपा प्लांट से। लेकिन ये रोड में ट्रेक्टर, मोटर साईकल चलना था उसमें 10–10 चक्का, 20–20 चक्का का बडा–बडा हाईवा चल रहा है। इस क्रेशर से मेरे बस्ती बाराद्वार में क्रेशर, चूनाभट्ठा संचालित है। लेकिन इस क्रेशर के धुंए से व चुनाभट्ठे से 50–100 आदमी मर चुके है। ये क्रेशर, चूनाभट्ठा तत्काल बंद होना चाहिए। खदान ब्लास्टिंग करेगा बडा–बडा गोला बारूद से यहां पडरिया का कई घर क्षतिग्रस्त हो रहा है। यहां 50 फीट में पानी है। यहां 350 व 500 में पानी नहीं मिल रहा है। जल स्त्रोत सूख जा रहा है। इस क्रेशर का मैं विरोध करता हूॅ। खदान नहीं खुलना चाहिए। क्रेशर बाराद्वार बस्ती में है और चूना भट्ठा मेन रोड में है। यहां बडा झाड़ का जंगल है, 100 मीटर की दूरी नहीं है। 4–5 क्रेशर है, सब क्रेशर बंद होना चाहिए। नही ंतो भविष्य में बडा आंदोलन करेंगे। इस क्रेशर को तत्काल बंद करना चाहिए, खदान नहीं खुलना चाहिए। इस क्रेशर, खदान का व जन सुनवाई का विरोध करता हूॅ।

54. **श्री गुलजार** :– आज छितापंडरिया गांव में डोलोमाईट खदान खुले या न खुले इस बात की आम लोगों के अभिव्यक्ति के लिए और गांव के हो, आसपास के हो। व्यक्तिों के लिए पक्ष और विपक्ष में बोलने की स्वतंत्रता है। शासन ने प्रशासन ने जनसुनवाई का प्रावधान रखा है। जो भी संस्थान का विस्तारीकरण होता है। तो भारत सरकार, के नियम है राज्य सरकार के नियम है। उस नियम के अनुसार स्थानीय जिला प्रशासन के जन सुनवाई का आयोजन करती है। उसी परिप्रेक्ष्य में

इस जन सुनवाई का आयोजन किया गया है। यहां पर जितने भी आदमी आये है। जो चाहे पक्ष में बोले हो, जो चाहे विपक्ष में बोले हो। बोलने का, सुनने का, कहने का अधिकार सबको है। पक्ष में बोलने वाले को और विपक्ष में बोलने वाले को सब का स्वागत करता हूॅ। जिला प्रशासन से अनुरोध करना चाहता हूॅ कि अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को पहुंचाये। बाराद्वार से ठठारी तक जितने भी संस्थान खुले है कुछ अच्छाईयां है, कुछ बुराईयां है। बुराईयों को आपस में बैठाकर विचार विर्मश करके प्रशासन का काम है। मैं और अपने साथियों के तरफ से इसका विरोध प्रगट करता हूॅ।

55. **श्री कुलदीप साहू, ग्राम–पलारी बाराद्वार** :– आज तक जितना भी दूर तक हमार रोड़ हे सब बढिया रोड हे। लेकिन जैजैपुर मोड से लेकर बस्ती बाराद्वार जाना है।, जैजैपुर जाना है। ये रोड मा तो आदमी आये मा डरथे। ये रोड ला क्या बोलथे आदमी मन जानलेवा रोड हे। मोर गांव पलारीकला, मोर गावं के बगल मा पलारीखुर्द एक दो साल पूर्व एक्सीडेंट में आदमी खत्म हो गये हे। ये रोड जिंदगी मा नहीं सुधरे। कभी ये रोड मा आईहा कभी गाडी चलात नहीं बने। आदमी मन मर जावत हे। ये खदान बिल्कुल बंद होना चाहिए। ये रोड हा साफ–सुथरा बनना चाहिए। मैं खदान ला बंद करे के समर्थन देवत हव।

56. **श्री रूप नारायण साहू, कृषि उपज मंडी सक्ती** :– माइंस खुलत हे घोर विरोध करथव। कई कारण हे हमन देखे हन ऐखर पहली माइंस खुले हे उमन पर्यावरण के 20 प्रतिशत पालन नहीं करे हे। आज छीतापंडरिया गांव के 2–4 भाई मन समर्थन में बोलिस, छितापंडरिया से बस्ती बाराद्वार तक सडक हे, जो प्रधानमंत्री सडक हे। जो खदान वाला मन ला चलाये के परमीशन नहीं है। छोटे बेरिकेट लगाया जाऐ जो गांव के छोटे गाडी चलये। खदान वाला खुद का रोड बनाये और स्वयं चले। ये खुलत हे मोला घोर विरोध हे।

57. **श्री रोशन लाल बरेठ, ग्राम–अमरवा, बम्हीनीडीह सरपंच** :– छितापंडरिया जंगल के नाम मैं सुने रहेव। आज जल, जंगल, जमीन सुंदर वातावरण देखने को मिले हे। पर्यावरण को बचाये। माइंस खुलत हे, माइंस ठेकेदार के व्यक्तिगत लाभ हे। जो माइंस खुलत हे ओखर मैं ये माइंस के माध्यम से विरोध करत हव। माइंस के अनुमति ला निरस्त करें और भविष्य के आने वाले पीढी वालो के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखे।

58. **श्री राजकुमार, ग्राम–छितापंडरिया** :– मैं गुरूश्री मिनरल्स का अपने गांव में स्वागत करता हूॅ। क्योंकि अनेक प्रकार की सुख–सुविधा दी है हमारे गांव को गुरूश्री दे रहा है। जो बाहर वाले आते है। उनको जानकारी नहीं है, जो बाहर वाले आये है नाना प्रकार की बात करके चले जाते है। गुरूश्री से हमें कोई आपत्ति नहीं है। रोजगार मिल रहा है। सुख–सुविधा मिल रहा है। कम्प्यूटर है हर प्रकार का सुविधा दे रहा है हमको गुरूश्री मिरल्स, उसका खदान खुले और हमारा रोजगार चले। गांव का विकास हो।

59. **श्री दिनेश चंद्रा, ग्राम–छितापंडरिया** :–गुरूश्री क्या रोजगार देवत हे। उल्टा सीधा बोलत हा। मैं किसान आदमी हव। कोई रोजगार नहीं देथे। रोड ला बना देथे। छट्ठी मा 5000 हजार दे देथे कोई कीमत हे। क्या वाला रोजगार देवत हे गांव वाला ला बोला आकर बोला। गांव वाला पंचायत वाला दे हे। गांव वाला ला क्या रोजगार देवत हे। 2–4 झन ला मिल जाही तो उतका मा गांव के उन्नती हो जाही क्या।

60. **श्री मुकेश कुमार बरेठ,** :– गुरूश्री का वर्कर हूॅ। गुरूश्री के तरफ से मेरे को बहुत सारी सुविधाएं मिली है। गुरूश्री आगे और चलना चाहिए। ऐसा मेरा मानना है।

61. **श्रीमती साधीन बाई, ग्राम–छितापंडरिया** :–खदान खुले के सभी सहमत हन।

62. **श्रीमती सावित्री, ग्राम–छितापंडरिया** :– हमन ला खदान खुले मा कोई आपत्ति नहीं है।

63. **श्री लक्ष्मी प्रसाद चौहान, ग्राम–छितापंडरिया** :–समर्थन करत हव।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 1:00 बजे अपर कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–सक्ती द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 157 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 63 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 200 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 54 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अपर कलेक्टर,
कार्यालय कलेक्टर
एवं जिला दण्डाधिकारी,
जिला–सक्ती (छ.ग.)